For the student of BA (III) Page-I

Group A : Psychology (H) (For UG)
Paper-7th

औद्योगिक मनोविज्ञान का कार्यक्षेत्र
Scope of Industrial Psychology

औद्योगिक मनोविज्ञान के कार्यक्षेत्र का सीधा अनुमान हम इस बात से लगा सकते हैं कि औद्योगिक मनोविज्ञान द्वारा व्यवसाय तथा उद्योग में कौन-कौन से कार्य सफलतापूर्वक किए जाते हैं। मैककोलौम (McCollom, 1959) ने बीस विभिन्न शहरों में 75 मनोवैज्ञानिकों के विचार (साक्षात्कार) के माध्यम से जानना चाहा जो विभिन्न उद्योग तथा व्यवसाय में कार्यरत थे। इन्हीं मनोवैज्ञानिक द्वारा व्यक्त किए गए विचारों के आधार पर औद्योगिक मनोवैज्ञानिकों द्वारा इनका निम्नांकित कार्य किए जाते हैं तथा उन्हें ही औद्योगिक मनोविज्ञान का मूल कार्यक्षेत्र माना जा सकता है।

(1) कार्मिक चयन — (Personnel selection) — औद्योगिक मनोविज्ञान में मनोवैज्ञानिक कर्मचारियों एवं व्यवस्थापकों (executives) का वैज्ञानिक चयन करते हैं तथा उनका स्थापन करते हैं।

(2) कार्मिक विकास (Personnel development) — औद्योगिक मनोविज्ञान निष्पादन मूल्यांकन (Performance appraisal), मनोवृत्ति मापन

attitude measurement आदि।

कर्मचारी परामर्श (employee counselling) तथा व्यवस्था विकास (Management development) जैसे कार्यों को भी सम्पन्न करते हैं।

(iii) मानव इंजीनियरिंग (Human engineering) — औद्योगिक मनोवैज्ञानिक मशीन एवं उपकरणों की डिजाइनों को अनुकूलतम बनाने के लिए, श्रमिकों एवं कर्मचारियों को कार्य करने में सुविधा हो तथा किसी प्रकार की थकान तथा [illegible] निराशा उत्पन्न न हो।

(iv) व्यवस्था (Management) — औद्योगिक मनोवैज्ञानिकों को उद्योग एवं व्यवसाय में व्यवस्था संबंधी कार्य भी करना पड़ता है इस कार्य में कर्मचारियों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देना सम्मिलित होता है।

(v) विविध कार्य (Miscellaneous work) — औद्योगिक मनोवैज्ञानिकों को दुर्घटना (accidents) श्रमिक संबंध (labour relationship) आदि समस्याओं का भी उचित समाधान ढूंढना पड़ता है।

अमेरिकन मनोवैज्ञानिक संघ (American Psychological association) के कई डिवीजन के डिवीजन 14 औद्योगिक मनोविज्ञान का डिवीजन है। डिवीजन 14 ने भी औद्योगिक मनोविज्ञान के कार्यक्षेत्र की सविस्तार व्याख्या की गई है। इस प्रकार इस डिवीजन के अनुसार औद्योगिक मनोविज्ञान के कार्यक्षेत्र में प्रमुख सात पहलुओं को अधिक महत्वपूर्ण माना गया है जो निम्नलिखित है

(1) चयन एवं प्रशिक्षण कार्य — औद्योगिक मनोविज्ञान में कर्मचारियों के वैज्ञानिक चुनाव की प्रक्रिया का अध्ययन किया जाता है इसके लिए औद्योगिक मनोवैज्ञानिकों द्वारा तरह-तरह के मनोवैज्ञानिक परीक्षणों जैसे बुद्धि परीक्षण, उपलब्धि परीक्षण, अभिक्षमता परीक्षण, अभिरुचि परीक्षण (Interest test) आदि का निर्माण किया जाता है। इन परीक्षणों की मदद से अनेक औद्योगिक मनोवैज्ञानिक कर्मचारियों के चयन, स्थापन एवं पदोन्नति जैसी समस्याओं का समाधान करते हैं।

(2) व्यवस्था विकास (Management development) — इसके अन्तर्गत कर्मचारियों व्यवस्थापकों तथा पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देना उनके शैक्षिक विकास के लिए शिक्षण संस्थानों का प्रबंध करना तथा कर्मचारियों के कार्यों का भी निरीक्षण करना आदि सम्मिलित

(3) परामर्श (Counselling) — इसके अन्तर्गत कर्मचारियों के कार्य से संबंधित समस्याओं विशेषकर समायोजन संबंधी समस्या का समाधान मनोवैज्ञानिक तरीकों से किया जाता है ताकि कर्मचारियों की कार्य कुशलता बनी रहे।

(4) कर्मचारियों की प्रेरणा — (Employee Motivation) औद्योगिक मनोविज्ञान में कर्मचारियों की प्रेरणा से संबंधित समस्याओं का भी अध्ययन किया जाता है। कर्मचारियों के आर्थिक प्रोत्साहन और आर्थिक प्रोत्साहन तथा सामाजिक प्रोत्साहन का अध्ययन कर यह निश्चित किया जाता है कि कर्मचारियों के लिए इन प्रोत्साहनों में से कौन सबसे प्रभावकारी प्रोत्साहन होता है।

(5) मानव अभियन्त्रण (Human engineering) औद्योगिक मनोविज्ञान में मशीनों एवं उपकरणों की विशेष डिजाइन एवं उनके आकार तथा संबंधी तथ्यों का भी अध्ययन किया जाता है। यहाँ औद्योगिक मनोवैज्ञानिक भी विचार करते हैं कि मशीनों की डिजाइन तथा आकार प्रकार ऐसा हो जो श्रमिकों एवं कर्मचारियों के कार्य करते समय कार्यकुशलता बनाकर रखे। डिजाइन ऐसा रहे कि कर्मचारी संभावित दुर्घटना एवं नीरसता से बचे रहें।

(6) बाजार शोध (Marketing research) — औद्योगिक मनोविज्ञान में उद्योग तथा

व्यवसाय में तैयार वस्तुओं को उपभोक्ता में सुगमता लोकप्रिय बनाने एवं उन्हें उचित दामों में विक्रय कराने तथा विज्ञापन को प्रभावी बनाने के लिए मनोवैज्ञानिक तथ्यों का विशेष अध्ययन किया जाता है। औद्योगिक मनोवैज्ञानिक सफल विज्ञापन की विशेषताओं को भी उजागर करते हैं। ताकि व्यवस्थापक उनका उपयोग करके वस्तुओं को उचित मूल्य पर बाजार में बेचकर प्रर्याप्त मुनाफा कमा सके।

(7.) जन सम्पर्क शोध - Public Relation Research) औद्योगिक मनोविज्ञान में कर्मचारियों की सुरक्षा हित एवं स्वास्थ्य संबधी समस्याओं का भी अध्ययन किया जाता है। इसके कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण, दुर्घटना से पीड़ित कर्मचारियों की क्षतिपूर्ति, कर्मचारियों के आपसी लड़ाई झगड़े का निपटारा, कर्मचारियों की आवश्यकता पड़ने पर ऋण की व्यवस्था करना, कानूनी सलाह का प्रबंध करना, कार्य निरीक्षण का अध्ययन करना, कर्मचारियों की पारिवारिक दशा का अध्ययन करना सम्मिलित है।

टिफिन 14 द्वारा औद्योगिक मनोविज्ञान के कार्यक्षेत्र में सम्मिलित किये गये कार्यों को अन्य मनोवैज्ञानिकों जैसे ~~Taft~~ टाफ्ट (Taft, 1946) टिफिन तथा मैक्कॉर्मिक (Tiffin and McCormic, 1965), ब्लम तथा नेलर (Blum and Naylor, 1984 ने भी अपनी सहमति प्रगट की है।

इस प्रकार स्पष्ट होता है कि औद्योगिक मनोविज्ञान का कार्यक्षेत्र काफी व्यापक है।

इसमें उद्योग एवं व्यवसाय के सभी पहलुओं का अध्ययन किया जाता है जिसमें मानवीय समस्याएं सम्मिलित होती है

By Kumar Patil
Assistant professor
Department of Psychology
Maharaja College, Ara
Phone No - 8521986965